वार्षिक प्रतिवेदन

अप्रैल2013से 31मार्च 2014

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति

- स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम
- किसान क्लब कार्यक्रम
- गांव विकास कार्यक्रम
- सुक्ष्म बीमा कार्यक्रम
- निर्मल भारत अभियान
- मनरेगा जागरूकता

:–संपर्क–:

सौली खड्ड,मंडी, जिला मंडी, (हि.प्र.)–175001

दूरभाषः– 01905–237478,237878, ईमेलः– msjvsmandi@gmail com

जन शिक्षा ,स्वास्थ्य और विकास के लिए कटिबद्ध

विषय सुची

क्र स.	विवरण
1.	समिति का गठन व पृष्ठभुमि
2.	सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के प्रयास (वित्तपोषित नाबार्ड)
2.1	बारह सौ स्वयं सहायता समूह परियोजना
2.2	एक हजार महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना
2.3	किसान क्लब कार्यक्रम
2.4	संयुक्त देयता समूह
2.5	500 स्वयं सहायता समूह परियोजना
2.6	गॉंव विकास कार्यक्रम (नौण,फेगल,सेहली,छात्र कलैहड़ी)
2.7	लोहागिरी कलस्टर थाची
2.8	रूरलमार्ट योजना
2.9	साप्ताहिक हॉट
2.10	प्रशिक्षण स्त्रोत केन्द्र/बैठक कक्ष
2.11	विभिन्न आय बढ़ोतरी
2.12	रूरल ईन्नोवेशन
3	निर्मल भारत अभियान
4	महात्मा गॉंधी रोजगार गारन्टी योजना (जिला ग्रमीण विकास अभिकरण)
4.1	एकीकृत जलागम विकास प्रबधंन कार्यक्रम
4.2	आधार सर्वेक्षण
5	सुक्ष्म जीवन बीमा योजना (प्रायोजित भारतीय जीवन)
6	वित्तीय रिर्पोट परियोजनाऐं एवं जन सहयोग ।
7	समिति का संगठनात्मक ढॉंचा।
8	अखबारों के कतरने।

1.समिति का गठन एवम् पृष्टभूमि

मंडी साक्षरता समिति के गठन के प्रयास हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए अभियान से पहले शुरू हो चुके थे। बहुचर्चित भोपाल गैस कांड ने जब सारे देश को हिला कर रख दिया था, तब राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों, बुद्धिजीवियों, लेखकों व कलाकारों को एक मंच पर इकठ्ठा करने की जरूरत महसूस हुई। वर्ष 1987 में अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क के रूप में 26 संगठनों ने अपने आपको अखिल भारतीय जन विज्ञान नेटवर्क में संगठित किया ताकि लोगों की वैज्ञानिक तौर तरीकों तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति समझ विकसित की जा सके। इस सोच को विकसित करने के लिए वातारण निर्माण हेतु राष्ट्रीय कला जत्थे ने मंडी के साथियों ने भागीदारी की तथा इस कार्यक्रम का आयोजन मंडी में भी किया गया।

गांव में जागरूकता लाने के लिए साक्षरता अभियान की जरूरत महसूस हुई। देश में कार्यक्रम को चलाने के लिए भारत ज्ञान विज्ञान समिति व प्रदेश में हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति का गठन हुआ। 1990 में भारत ज्ञान विज्ञान समिति मंडी इकाई का गठन तत्तकालीन उपायुक्त डा. अशोक रंजन बसू की अध्यक्षता में किया गया। इसके उपरांत 21 फरवरी 1992 को मंडी साक्षरता समिति का गठन हुआ। वर्ष 1992 से संपूर्ण साक्षरता अभियान, 1994 से उतर साक्षरता अभियान व तत्पश्चात 1998 से सतत शिक्षा अभियान सफलतापूर्व चले। इसके साथ पर्यावरण, समता और स्वास्थ्य, वोटर जागरूकता अभियान, पल्स पोलियों अभियान में समिति के कार्यकर्ताओं ने अहम भूमिका निभाई। 18दिसंबर 2003 में समिति का नाम बदलकर मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति रखा गया ताकि शिक्षा के साथ विकास के मुद्दे जुड़ सके। कपार्ट द्वरा प्रायोजित परियोजना जल स्रोतों का सरंक्षण एवम् रखरखाव का कार्य किया। 1999 में कार्य के अनुभव के आधार पर मंडी में स्वयं सहायता समूह बनाने का निर्णय लिय गया। 2002 में राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रामीण विकास बैंक के साथ जुड़कर 2000 स्वयं सहायता समूहों की परियोजना में कार्य किया। 2005 से जिला ग्रामीण विकास अभिकरण मंडी द्वारा प्रायोजित परियोजना संपूर्ण स्वच्छता अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। 2009 में सुक्ष्म बीमा का कार्य जीवन बीमा निगम के साथ शुरू किया हैं। समिति ने इन कार्यक्रमों को आम जनता, प्रशासन, जन प्रतिनिधियों व स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं के सहयोग व मेहनत से देश व प्रदेश में अग्रिम रूप से चलाया।

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति का चरित्र देश भर में शुरूआत से ही अलग रहा है, जिसमें स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं ने विभिन्न राजनैतिक विचारधारा से सहमति रखने वाले कार्यकर्ताओं से एक साथ मिलकर कार्य किया तथा इस जन आंदोलन को आगे बढ़ाया हैं। इस समय समिति विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं जिसकी झलग इस रिपोर्ट में आपको मिलेगी।

2.सशक्तिकरण व आत्मनिर्भरता के प्रयास (वित्तपोषित नाबार्ड

2.1. 1200 स्वयं सहायता समूहों के गठन व बैंक लिंकेज परियोजना के तहत 1.4.2013 से 31.3.2014 तक की रिर्पोट

नाबार्ड द्वारा प्रायोजित 1200 स्वयं सहायता समूहों का गठन बैंक खाता व लिंकेज सम्बन्धी परियोजना के तहत समाज में पिछड़े, दलित महिलाओं व वंचित वर्ग के लोगों की आर्थिक स्थिति के सुधार व आमदनी बढ़ोतरी हेतू उनके लिए समूह गठन, प्रशिक्षणों का आयोजन, खेतीबाड़ी, बागवानी, पशुपालन के क्षेत्र में नई–नई तकनीकों व जानकारियों को मुहैया करवाना, महिला सशक्तिकरण,मनरेगा जैसे कार्यक्रमों में सकिय भागीदारी बारे समिति पिछले 12–13 वर्षो से विशेष प्रयास स्वयं सहायता समूह नाबार्ड के माध्यम से कर रही है।

क्र.स.	खण्ड का नाम	कुल समूह	बैंक लिंकेज	बैक ऋण
1.	सदर	201	146	6694500
2.	बल्ह	275	208	8677200
3.	सुन्दरनगर	160	113	792800
4.	करसोग	94	49	3044000
5.	धर्मपुर	75	59	1699000
6.	गोपालपुर	149	123	2647900
7.	द्रंग	169	143	2027500
8.	चौंतड़ा	80	35	3552600
9.	गोहर	64	30	535300
10.	सराज	11	5	602000
11.	बालीचौकी	0	0	25000
	कुल	**1278**	**911**	**30297800**

2.2 1000महिला स्वयं सहायता समूह परियोजना

भारत सरकार ने स्वंय सहायता समूह मॉडल दो के तहत महिला स्वयं सहायता समूह हेतु देश के 150 पिछड़े जिलाओं का चयन किया जिसमें प्रदेश के सिरमौर व मंडी जिला भी शामिल हैं। इस कार्य हेतु नाबार्ड व प्रशासन ने मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति का चयन किया। समिति को सितंबर 2013 में परियोजना स्वीकृत हुई तथा 6 दिसंबर 2012 को उपायुक्त देवेश कुमार ने इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। **खण्ड बार प्रगति विवरण निम्न लिखित है।**

क्र.स.	खण्ड का नाम	कुल समूह	बैंक खाते	बैंक लिर्केज
1.	सदर	80	80	26
2.	बल्ह	83	83	50
3.	सुन्दरनगर	70	70	23
4.	करसोग	115	115	69
5.	धर्मपुर	100	100	45
6.	गोपालपुर	95	95	73
7.	द्रंग	66	66	23
8.	चौंतड़ा	121	121	82
9.	गोहर	70	70	40
10.	सराज	75	75	31
11.	बालीचौकी	60	60	7
12.	निहरी	40	40	15
	कुल	**975**	**975**	**484**

2.3 किसान क्लब कार्यक्रम रिपोर्ट

1अप्रैल,2013 से 31 मार्च, 2014

नाबार्ड द्वारा प्रायोजित व मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा संचालित किसान क्लब कार्यक्रम के तहत अब तक कुल गठित 230 किसान क्लबों में से 193 किसान क्लबों का शुभांरभ किया जा चुका हैं। इन क्लबों को चलाने के पीछे समिति का मुख्य उद्देश्य नाबार्ड के दिशा निर्देश के अनुसार गांव के गरीब किसानों को खेती, बागवानी, पशुपालन संबंधी, नई तकनीक, उन्नत किस्म के बीज, नई–2 नस्लों के दुधारू पशुओं को पाल कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने का है। इसके माध्यम से जागरूकता शिविरों ,सेमिनारों, अध्ययन भ्रमण, प्रशिक्षणों के तहत विभागीय योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने तथा विज्ञान का रूख गांव की ओर करने की दिशा में एक प्रयास हैं।शेष बचे 25 किसान क्लबों का शुभारंभ शीघ्र ही किया जायेगा। किसान क्लबों से जहां एक ओर बागवानों को अपनी आर्थिक स्थिति बेहतर करने हेतु सरकारी व विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनओं की घर द्वार पर जानकारी प्रदान की जा रही हैं।

किसान क्लब

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा वष्र 2009 में परियोजना स्वीकृत की है अब तक स्वीकृत 255 किसान क्लब से 230 किसान क्लबों का शुभारंभ किया जा चुका हैं। किसान क्लब के माध्यम से किसान क्रेडिट कार्डो का बनाने का कार्य भी किया गया। विशेषज्ञों से मिलिए कार्यक्रम के तहत प्रत्येक किसान क्लब में शिविरों का आयोजन किया गया।

बैठक/ कार्यशाला का विवरण

इस कार्यक्रम के तहत 17 से 19 दिसंबर,2013 तक बैठक/ कार्यशाला समिति कार्यालय सौली खड्ड मंडी में आयोजित की गई। जिसमें दिनांक 17 दिसंबर को खंड सदर–3, बल्ह–6, करसोग–23, गोपालपुर–06, चौंतड़ा–01, गोहर–6, सराज–1 कुल 45सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला विकास प्रबधंक नाबार्ड ने भाग लिया।

खंड स्तरीय बैठकों का विवरण

क्र	खंड	दिनांक	प्रतिभागी
1.	सराज	23-5-2013	15
2.	सुंदरनगर	25-52013	14
3.	धर्मपुर	26-5-2013	16
4.	गोपालपुर	27-5-2013	12
5.	चौंतड़ा	28-5-2013	16
6.	द्रंग	29-5-2013	12
7.	बल्ह	16-11-2013	5
8.	सुंदरनगर	18-11-2013	4
9.	गोहर	20-11-2013	6
10.	द्रंग	22-11-2013	6
11.	गोहर	27-11-2013	5
12.	सराज	25-11-2013	5
13.	बालीचौकी	26-11-2013	4

उपरोक्त दर्शाएं गए खंडों में गठित किसान क्लबों में मुख्य व सहायक समन्वयकों की एक–एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें क्लबों में रखरखाव बारे व क्लबों के क्या–क्या कार्य हैं तथा आदर्श किसान क्लबों के बारे में चर्चा की गई। जिसके तहत वर्ष 2013 में ग्राम पंचायत डरवाड़ में गठित किसान क्लबों के माध्यम से ग्रामीण विकास समिति का गठन किया व इन्हीं क्लबों के माध्यम से अदरक, जिमिकंद व हल्दी की खेती करना शुरू की जिससे की क्लबों को इजाफा हुआ व 27–28–29 नवम्बर 2013 को क्लबों के माध्यम से आचार बनाने की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई जिसके द्वारा क्लबों के माध्यम से तैयार अदरक, जिमीकंद का आचार बनाया गया। जिला में 93 किसान क्लबों में एक्सपर्ट के साथ लगभग 180 बैठकें/ कैंपों का आयोजन किया गया तथा 60 किसान क्लबों के द्वारा विभिन्न स्थानों पर अध्ययन भ्रमण किया गया।

2.4 संयुक्त देयता समूह

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा ऐसे लोग जो भूमिहीन है या दूसरों की जमीन पर छोटा मोटा कार्य करते है, उनकी आमदनी में बढ़ोतरी करने के लिए उन्हें बैंकों से वित्तीय सहायता मिल सके। इसके लिए संयुक्त देयता समूह की शुरूआत की गई। नाबार्ड द्वारा समिति को 500 देयता समूह गठित करने के लिए 10 लाख की परियोजना स्वीकृत की गई। यह कार्यक्रम अगस्त 2010 को स्वीकृत किया गया। 31 मार्च 2014 तक जिला में 391 संयुक्त देयता समूहों का गइन किया जा चुका हैं तथा 181 समूहों को बैंक से लिंक किया जा चुका है।

क	खंड का नाम	गठित समूह	बैंक लिर्केज
	सदर	153	59
	बल्ह	75	34
	सुंदरनगर	75	23
	करसोग	50	16
	धर्मपुर	40	15
	गोपालपुर	50	1
	द्रंग	40	23
	चौंतड़ा	40	22
	गोहर	40	4
	सराज	25	4
	बालीचौकी	25	4
	कुल	613	205

2.5 500 स्वयं सहायता समूह परियोजना

समिति को नाबार्ड से वर्ष 2013 में 500 स्वयं सहायता समूहों के गठन व लिर्केज संबंधी परियोजना स्वीकृत हुई है जिसे शीघ्र ही पूरा किया जायेगा।

क्र.स.	**खण्ड का नाम**	**लक्ष्य**	**खाते**
1.	बल्ह	30	20
2.	सुन्दरनगर	40	30
3.	करसोग	30	24
4.	धर्मपुर	50	29
5.	गोपालपुर	30	0
6.	चौंतड़ा	40	11
7.	गोहर	30	16
8.	सराज	50	30
9.	बालीचौकी	50	44
10.	निहरी	50	8
11.	द्रंग	30	5
12.	चौहार	20	5
	कुल	**450**	**222**

2.6 गाँव विकास कार्यक्रमः–

नाबार्ड द्वारा स्वीकृत गाँव विकास कार्यक्रम के तहत गाँव नौण खण्ड गोहर गाँव फेगल खण्ड करसोग, गाँव–छात्र कलैहड़ी, खण्ड गोपालपुर, सैहली खण्ड सदर, व छात्र कलैहड़ी खंड गोपालपुर को लिया गया है। सितम्बर,अक्तुबर 2011 में गाँव में कार्यक्रम को शुरू किया गया है। इस गाँव में बागवानी,पशुपालन कृषि,विभाग,पंचायती राज,व अन्य विभागों की योजनाओं के साथ जोड़कर चारों गाँवों का विकास किया जा रहा है।

1.गांव नौण खंड गोहर

इस गाँव में समस्त परिवारों को बैंक व सुक्ष्म बीमा परिवारों के बैक व सुक्ष्म बीमा से जोड़ा गया है। गाँव में **90%** लोगों के केडिट कार्ड बनाये गये है। गांव में विभिन्न शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव नौण में पशुपालन शिविर का आयोजन किया गया। गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव नौण में 22 जुलाई,2013 को बागवानी शिविर का आयोजन किया गया। गांव नौण में दिनांक 25–8–2013 को पानी से होने वाली बीमारियों व उससे बचाव के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के तहत दिनांक 28 जुलाई,2013 को इन्नर वियर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। गांव नौण में 26 अगस्त 2013 को बाल विकास एवम् महिला कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। सेरी कल्चर शिविर_गांव नौण में 14 मार्च,2014 को सेरी कल्चर विभाग के सहयोग से शिविर का आयोजन किया गया। अध्ययन भ्रमण_गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव नौण से अनुसंधान केन्द्र बंजौरा में अध्ययन भ्रमण करवाया गया।

2. गांव फेगल खंड करसोग

गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव फेगल के द्वारा भेड़ प्रजनन केन्द्र ज्यूरी में अध्ययन भ्रमण का आयोजन दिनांक 15 मार्च,2014 को किया गया। अध्ययन भ्रमण में डाक्टर राजेंद्र शर्मा ने प्रतिभागियों को भेड़ पालन, रामपुरी बुशैहरी भेड़ की नस्ल, पशु आहार, पशु चिकित्सा, भेड़ खरीदने हेतु व पूरी की जाने वाली औपचारिकताओं के बारे में जानकारी प्रदान की। अध्ययन भ्रमण में 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया व जानकारी प्राप्त की। गांव फेगल में दिनांक 6 मार्च,2013 व 17 मई 2013 को पशुपालन संबंधी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पशुओं को होने वाले रोग तथा उनके उपचार संबंधित जानकारी दी गई दिनांक 24 जुलाई, 2013 को बागवानी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें प्रतिभागियों को बागवानी संबंधी जानकारियां प्रदान की गई।

3.गांव सेहली खंड सदर

गांव विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गांव सेहली में दिनांक 14अप्रैल,2013 को पानी के सही प्रयोग व बचाव के बारे जलागम शिविर का आयोजन किया गया। गांव विकास कार्यक्रम के तहत 23 जुलाई 2013 को बागवानी शिविर का आयोजन किया। गांव सेहली में 29 जुलाई 2013 को पानी से होने वाली बीमारियों के बारे में जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम के तहत 23 नवम्बर 2013 को पशुओं की बीमारियों की रोकथाम व पशुओं से मनुष्य को होने वाले रोगों के बारे जानकारी दी। दिनांक 24 अप्रैल, 2014 को गांव सेहली में बैग

पर्स बनाने का प्रशिक्षण करवाया गया। इस कार्यक्रम के तहत 14 मार्च, 2013 को अनुसंधान केंद्र बजौरा में किसानों का अध्ययन भ्रमण करवाया गया।

4.गांव छात्र कलैहड़ी खंड गोपालपुर

गांव विकास कार्यक्रम के तहत गांव छात्र कलैहडी में दिनांक 28मई 2013 को पशुपालन शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत गांव छात्र कलैहड़ी में दिनांक 29 मई 2013 को खोया पनीर बनाने का प्रशिक्षण करवाया गया। कार्यक्रम के तहत दिनांक 29 जुलाई, 2013 व 25 अक्तुबर,2013 को गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कौशल विकास कार्यक्रम के तहत छात्र कलैहड़ी में खड्डी का प्रशिक्षण 3 मार्च,2014 को किया गया। इस कार्यक्रम के तहत 14 मार्च, 2013 को अनुसंधान केंद्र बजौरा में किसानों का अध्ययन भ्रमण करवाया गया।

2.7 लोहागिरी कलस्टर थाची

मण्डी जिला के पिछड़े ईलाके सराज खण्ड के थाची क्षेत्र में दस्तकारों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने बारे सर्वेक्षण 2007 में किया गया था। यहाँ पर ऐसे 60 परिवारों को चिन्हित किया गया था। जो की दो तरह का कार्य मुख्यतः करते है धातु कला व लोहे के औजार बनाने का है। इसमें लोहे के कार्य करने वाले लोगों का जीवन स्तर निम्न पाया गया। अतः इन परिवारों को लक्षित किया गया। इनके 2 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया। आशुदेवता,चौहड़ी व लोट जहल,इन समूहों को मशीनरी,प्रशिक्षण एक्सपोर्जर भ्रमण,रूरल मार्ट, व संस्था द्वारा अन्य सहयोग हेतू नाबार्ड के द्वारा 14–94 लाख रू0 की कलस्टर विकास परियोजना स्वीकृत की गई।

कलस्टर के मुख्य कार्यः–

- डायग्नोस्टिक अध्ययन 2007–08
- 17–19 मार्च,2009 को हरिद्वार में समिति कार्यकर्ता कलस्टर मोटीवेटर की प्रशिक्षण कार्यशाला।
- 9 दिसम्बर,2009 को लोहागिरी कलस्टर समिति का गठन एवम् शुभारम्भ।
- जिला विकास अभिकरण मण्डी द्वारा दो वर्कशैड हेतू 3.60 लाख स्वीकृत।
- सारस फेयर मुम्बई व हैदराबाद में दस्तकारों की भागीदारी।
- मण्डी शिवरात्रि,सुन्दरनगर नलवाड़,स्थानीय मेलों में उत्पादों की बिक्री स्टॉल नाबार्ड के सौजन्य से लगाए गए।
- 3 लाख 24 हजार रू0 का हिमाचल प्रदेश ,विद्युत परिषद का सहयोग थ्री फैस लाईन।
- बिजली की सुरक्षा निधि तथा अन्य उपकरण दोनों समूहों द्वारा लोटी जहल व आशुदेवता स्वयं सहायता समूह द्वारा 2 लाख रू0 का अंशदान।
- स्वीकृत राशि 14–94 रू0में से 10 लाख रू0 अनुदान इस कार्य हेतू खर्च किया गया।

निष्कर्षः–

- दस्तकारों को सामुहिक रूप से कार्य करने का मौका मिला।
- दस्तकारों को मशीनरी लगने से उत्पादन बढ़ा तथा कोयले की कम खप्त होगी व शारीरिक श्रम कम लगेगा।
- कलस्टर कार्य होने से इनको एक्सर्पोर्जर मिला। प्रचार–प्रसार होने से मार्केटिंग में फायदा हुआ।
- इसके परिवारों की जीवन गुणवता में सुधार आयेगा।

सम्पर्क नम्बर लोहागिरी कलस्टरः–

- आशुदेवता स्वयं सहायता समूह– सचिव,चन्द्रमणी – **098171-54485**
- लोट जहल स्वयं सहायता समूह सचिव, वेदराम – **098165-**

2.8 रूरल मार्ट

समिति द्वारा 4 खंडों में रूरल मार्ट चलाये जा रहे हैं। पहले इन समूहों को नाबार्ड द्वारा 15 माह तक योजना स्वीकृत की गई जो जून 2010 में समाप्त हो गई। उसके उपरांत रूरल मार्ट आत्म निर्भर होकर अपनी दुकान का किराया स्वतंत्र रूप से चला रहा हैं। इन रूरल मार्टो की मासिक आमदनी लगभग 4से 5 हजार रूपये हैं।

2.9 साप्ताहिक हॉट बिक्री की वार्षिक रिपोर्ट

जिला प्रशासन व जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सहयोग से पिछले दो वर्षो से शनिार हॉट चलाया जा रहा हैं। जिसमें समिति द्वारा गठित समूह लगातार भाग ले रहे हैं।

2.10 प्रशिक्षण स्रौत केन्द्र/बैठक कक्ष

प्रशिक्षण स्त्रौत केन्द्र भवन का निर्माण प्रशासन के सहयोग से किया गया हैं। जिसमें समिति के कार्यक्रमों के इलावा विभागों व अन्य सस्थाओं द्वारा प्रशिक्षण व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। 4 फरवरी,2014 को बैठक कक्ष का उदघाटन उपायुक्त एवम् अध्यक्ष श्री देवेश कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर समिति के समस्त कार्यकारिणी,साधारण सभा सदस्य, कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

2.11 विभिन्न आमदनी बढ़ोतरी प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2013–2014 में महिला सशिक्तकरण व आर्थिक स्थिति में सुधार व आमदनी बढ़ोतरी के कार्यो हेतु विभिन्न प्रशिक्षण किये गयेः–

- खंड निहरी में कोटी स्वैयटर, बैबीसूट का प्रशिक्षण दिनांक 21 दिसंबर से 31 दिसंबर,2013 तक किया गया जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- खंड निहरी जाच्छ में लेडिज बैग, कैरी बैग, पर्स का प्रशिक्षण जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- खंड गोहर ग्राम पंचायत खारसी में स्वैयटर बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 15 से 27 जनवरी,2014 तक दिया गया जिसमें 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- खंड गोपालपुर के ढणकर में बैग, पर्स बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 22फरवरी से 3मार्च,2014 तक प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- खंड गोपालपुर के दारपा गांव में महिला स्वयं सहायता समूहों को वैग बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 23 फरवरी 2014 से 4 मार्च2014 का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 16 अभ्यार्थियों ने भाग लिया।

- खंड गोपालपुर के पध्याणा गांव में महिला स्वयं सहायता समूहों को बैग, पर्स, कैरी बैग बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 24 फरवरी,2014 से 5 मार्च 2014 तक दिया गया जिसमें 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- खंड गोपालपुर के सुलपूर गांव में महिलाओं को स्वैयटर बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 25 मार्च 2014 से 8मार्च 2014 तक दिया गया। जिसमें 19 अभ्यार्थियों ने भाग लिया।
- खंड द्रंग की चौहारघाटी में महिलाओं को 20 दिवसीय कोटी,स्वैयटर,बैबी सैट का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का आयोजन 20 जून से 10 जुलाई ,2014 तक किया गया।
- खंड गोहर के झुंगी में सुक्ष्म उद्यमिता कार्यक्रम फरवरी,2014 को 90दिवसीय स्कूल ड्रैस बनाने का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- खंड गोपालपुर के जमणी में फरवरी 2014 में बांस के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण 20 दिवसीय दिया गया।प्रशिक्षण में 25अभ्यार्थियों ने भाग लिया।

2.12 रूरल ईन्नोवेशन फण्ड

पाईन सुईयों से कोयला ब्रिकेट

गाँव चौहड़ी,लोट खण्ड सिराज जिला मण्डी (हि.प्र)

कोयला ब्रिकेट बनाने की मशीन

नाबार्ड पृष्ठभूमिः–

राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रमीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा,खण्ड सराज के पिछड़े क्षेत्र थाची के दो गाँव चौहड़ी व लोट में लोहागिरी कलस्टर कार्र्यक्रम के तहत कार्य किया गया। लोहे व बाँस का कार्य करने के लिए कोयले की आवश्यकता होती है। इस क्षेत्र में काफी बर्फ पड़ती है। ठण्ड से बचने के लिए कोयले की आवश्यकता पड़ती है। समिति को जानकारी मिली की देहरादून की संस्था रेनेवल एनर्जी कॉरपोरेशन द्वारा पतियों के कोयला ब्रिकेट बनाने की मशीन बनाई गई है। समिति द्वारा इन दो गाँव में इस मशीन को लगाने हेतू परियोजना नाबार्ड भेजी गई।

किये गये कार्य का विवरणः–

- राष्ट्रीय कृषि एवम् ग्रमीण विकास बैंक नाबार्ड द्वारा 20 जनवरी,2014 को **237500रू0** की परियोजना स्वीकृत की गई। इस क्षेत्र में मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति द्वारा 20 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। यह समूह इस मशीन को बारी–बारी से उपयोग कर रहे हैं।

- इस मशीन में बेकार घास,पतियाँ,खासकर चीड़ की पत्तियाँ जिससे जँगलों में आग लगती है। इन घास वाली पतियों को एक गढडे या खाली ड्रम में थोड़ा जलाया जाता है। इसके उपरान्त इन्हें मिट्टी या गोबर के साथ मिलकर मशीन में डाला जाता है। इसके उपरान्त धूप में सुखाकर कोयला तैयार हो जाता है।

चौहड़ी गाँव में कोयला बनाने का प्रशिक्षण

लोट गाँव में कोयला बनाने का प्रशिक्षण

- 23–26 अगस्त तक चौहड़ी व लोट गाँव में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें समूहों के सदस्यों ने भाग लिया। यह कोयला 2घण्टे तक चलता है। लोहा गर्म करने के लिए दूसरे कोयले के साथ मिलकर कार्य कर सकता है। घरेलू उपयोग में इसे ज्यादा उपयोग किया जा सकता है। गर्मी के मौसम में कोयला अधिकतर तैयार हो सकता है।

3. निर्मल भारत अभियान वर्ष 2013–14

निर्मल भारत अभियान के तहत मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति ने वर्ष 2013–14 में की गई गतिविधियों का विस्तारपूर्वक विवरण निम्न प्रकार से हैः–

अप्रैल 2013

1अप्रैल से 10 अप्रैल के बीच स्कूल स्वच्छता कार्यक्रम के तहत खंडों में आये प्रथम स्कूलों का मूलयांकन किया गया जिसके लिए जिला से दो टीमों का गठन कर एक टीम द्वारा प्राथमिक व माध्यमिक पाठशालाओं तथा दूसरी टीम उच्च,वरिष्ठ स्कूलों का मूल्यांकन किया गया। जिला स्तर पर प्राथमिक पाठशाला मूंदडू (बल्ह), माध्यमिक पाठशाला वगैला (करसोग) तथा उच्च पाठशाला मझारनू (द्रंग) ने प्रथम स्थान प्राप्त किये।

मई 2013

1से 4 मई विशेष स्वच्छता अभियान एवम् स्वच्छता सप्ताह मनाया गया। 1 मई को ग्राम सभा दिवस जिले की 466 ग्राम पंचायतों में मनाया गया। 2 मई को स्कूलों व

आंगनबाड़ी स्तर पर स्वच्छता रैलियां निकाली कई। 3 मई को शिशु एवम् मातृ स्वास्थ्य कैंप पीएचसी और सीएचसी स्तर पर मनाये गये। 4 मई को स्वच्छता प्रहरी दिवस प्रत्येक खंड के एक–एक स्कूल में मनाया गया। 9 मई को अतिरिक्त उपायुक्त द्वारा 63 स्कूलों को स्कूल स्वच्छता पुरस्कार योजना के तहत प्रथम व द्वितीय रहने पर इनाम बांटे गए। महार्षि बाल्मिकी स्वच्छता पुरस्कार के लिए पंचायतों से आवेदन पत्र मांगे गये।13 से 17 मई तक एमडीडब्ल्यूएसएम से एनआरसी श्री टी.के.दास ने निर्मल ग्रम पुरस्कार विजेता पंचायतों किलिंग , बूंगरैलचौक, चमुखा व सदयाणा का मूल्यांकन किया गया कि इन पंचायतों का आज के संदर्भ में एनजीपी के बाद का स्टेटस जाना चाहिए।

जून 2013

जून माह में महार्षि बाल्मिकी स्वच्छता पुरस्कार के लिए खंडों में आवेदित पंचायतों का मूल्यांकन किया गया तथा निर्मल ग्राम पुरस्कार के लिए पंचायतों से आवेदन पत्र प्राप्त किए। यह प्रक्रिया जिन पंचायतों को पुरस्कार नहीं मिले थे वहां की गई। 190 में से केवल 127 पंचायतों ने निर्मल ग्राम पुरस्कार हेतु आवेदन किया।

जुलाई 2013

जिला स्तर पर खंड विकास अधिकारियों को ठोस कूड़ा कचरा प्रबंधन को ठिकाने लगाने बारे हर वार्ड स्तर पर डंपिंग पिट बनाने का निर्णय लिय गया जिस हेतु जिला ग्रामीण विकास अभिकरण को परियोजना प्रस्ताव बनाया। जिला स्तर पर इस योजना को सफल बनाने हेतु जिला स्तर पर स्वच्छतादूतों, पंचायत प्रधानों, सचिवों का 9–10 जुलाई को प्रशिक्षित किया गया। 20–21 जुलाई को जिला के नॉन–एनजीपी स्वच्छत दूतों का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें नॉन एनजीपी में शौचालय रहित परिवारों को शौचालय बनाने बारे, MVSSP, SSAC, NGP प्राप्त करने बारे तथा ठोस कूड़ा कचरा प्रबंधन, तरल प्रबंधन व गोबर की कैचूंआ खाद्य तैयार करने बारे प्रशिक्षित किया गया। जिला स्तर पर 135 प्रधानों, 116 सचिवों/ सहायकों व 158 स्वच्छता दूतों को प्रशिक्षित किया गया।

अगस्त 2013

अगस्त माह में डीआरडीए के साथ 6 अगस्त से 6फरवरी 2014 तक एमओयू किया गया अगस्त माह से पंचायत स्तर पर स्वच्छता कमेटियों का पुर्नगइन ,नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया तथा Non-NGP पंचायतों में से 127 पंचायतों के लिए एनजीपी पूर्ण तैयारी बैठक 17 अगस्त को उपायुक्त कार्यालय बैठक सभागार में की गई जिसमें पंचायत सचिव, नोडल अधिकारी व खंड समन्वयकों को प्रशिक्षित किया गया उसके लिए एक लीफलैट भी बनाया गया जिसमें स्कूल,आंगनबाड़ी, सामुदायिक स्वच्छता के बारे महत्वपूर्ण बिंदू तैयार किये गये। जिन परिवारों ने शौचालय नहीं बनाए हैं उन परिवारों को शौचालय बनाने बारे प्रेरित किया गया तथा अतिरिक्त उपायुक्त महोदय द्वारा अपील भेजी गई। जिला में किए

गए सर्वेक्षण अनुसार जिले में 15331 परिवार ऐसे हैं जिन्होंने अपने घरों में शौचालय नहीं बनाए है जिनमें Non-NGP 190 पंचायतों में 10277 परिवार ऐसे पाए गए इन परिवारों को स्वचच्छता कमेटी द्वारा प्रेरित करने व शौचालय निर्माण करवाने का लक्ष्य रखा हैं। उसके लिए जिला खंड, पंचायतों के लिए रणनीति तैयार की गई।

सितंबर,2013

NGP पंचायतों के मूल्यांकन हेतु मंडी जिला से 26 प्रतिभागियों ने 2 से 16 सितंबर 2013 तक चंबा जिला की 70 पंचायतों का मूल्यांकन किया तथा सिरमौर जिला द्वारा मंडी जिला की 127 पंचायतों का मूल्यांकन किया।

अक्तूबर–नवम्बर–दिसंबर,2013

अक्तूबर,नवंबर व दिसंबर माह में खंड स्तर पर खंड स्वच्छता कमेटियों की बैठकें नोडल अधिकारियों की समीक्षा बैठकें व स्वच्छता दूतों की खंड स्तर पर समीक्षा की गईं 9–10 नवंबर को वैली व्यू मंडी में मंडी जोन जिसमें हमीरपुर, बिलासपुर, कुल्लू, किन्नौर व लाहौल स्पीति जिलों के परियोजना अधिकारी व खंड विकास अधिकारी, नोडल अधिकारी जिला व खंड समन्वयकों को एनबीए के तहत आईईसी कार्यशाला की गई। नवम्बर दिसंबर माह में खंड स्तर पर प्रधानों उपप्रधानों, सचिवों, जेई, टी.ए. जीआरएस तथा स्वच्छता दूतों को एनबीए व मनरेगा के बारे एक–एक दिवसीय जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में करवायें गये।

जनवरी 2014

9 जनवरी को सुंदरनगर खंड की ग्राम पंचायत डुंगराई में स्वच्छता कैंप अतिरिक्त महोदय की अध्यक्षता में किया गया जिसमें वहां पर जो लोग शौचालय नहीं बना रहे थे उन्हें शौचालय बनाने बारे प्रेरित किया। 27 जनवरी को खंड समन्वयकों की समीक्षा बैठक अतिरिक्त महोदय की अध्यक्षता में की गई जिसमें कुछ पंचायतों में शौचालय न बनाने वाले परिवारों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्य योजना बनाई गई।

फरवरी 2014

स्कूल स्वच्छता आवार्ड स्कीम के तहत स्कूलों से आवेदन पत्र प्राप्त कर खंड स्तर के मूल्यांकन हेतु खंडों के लिए टीमें गठित की गई तथा 31 मार्च तक सभी खंडों में मूल्यांकन किया गया। शेष शौचालय सहित परिवारों की Non-NGP पंचायतों के 10277 परिवारों में से 7085 परिवारों ने शौचालय का कार्य पूर्ण किया गया 2699 परिवारों ने कार्य शुरू किया है तथा 493 परिवार ऐसे है जिन्होंने शौचालय अभी भी नहीं बनाए हैं। 190 पंचायतों में से 149 पंचायतों ने खुला शौच मुक्त प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं तथा बल्ह, चौंतड़ा, धर्मपुर व करसोग खंडों में शत प्रतिशत घरों में शौचालय का कार्य पूर्ण किया गया हैं जिसके प्रस्ताव खंडों से प्राप्त हो चुके हैं। एनबीए के तहत यह वर्ष सर्वणीय रही है जिसमें

आईएचएचएल, स्कूल, आंगनबाड़ी, सामुदायिक शौचालय के लक्ष्य को पूर्ण करने का दर्जा हासिल करने का भरसक प्रयत्न किया हैं।

राशनकार्ड डिजिटाईजेशन का प्रचार–प्रसार

मंडी साक्षरता एवम् जन विकास समिति ने महिलाओं के नाम से राशन कार्ड बनाने के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से 2 जनवरी से 8 जनवरी 2014 तक जिले की समस्त पंचायतों में इसका प्रचार प्रसार किया गया। यह कार्यक्रम जिला खाद्य आपूर्ति विभाग मंडी के सौजन्य से समिति ने राशनकार्ड डिजिटाईजेशन के लिए प्रचार किया । प्रचार–प्रसार सामग्री लीफलैट व नारों के माध्यम से किया गया। सभी खंडों के लिए 10 गाड़ियां बैनर सहित व माईक लगाकर इस कार्यक्रम के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया जिसके लिए समिति ने हर खंड में दो–दो कार्यकर्ताओं को लगाया था। पंचायत स्तर पर प्रचार प्रसार करने का प्रमाण पत्र संबंधित ग्राम पंचायतों से लिया गया जिसकी छाया प्रति जिला खाद्य आपूर्ति विभाग को भेजी गई हैं।

4.मनरेगा कार्यस्थल आई.ई.सी परियोजना

मनरेगा कार्यस्थल आई.ई.सी परियोजना जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा मण्डी साक्षरता समिति को स्वीकृत करने के पश्चात समिति द्वारा जिला व खण्ड स्तर पर स्रोत व्यक्तियों की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। प्रथम चरण में खण्ड स्तर पर दो–दो खण्ड समन्वयकों को यह कार्य सौंपा गया परन्तु अन्य कार्यों में समन्वयकों की वयस्तता को देखते हुए खण्ड बार अन्य स्रोत व्यक्तियों को चिन्हित किया गया। जिनका प्रशिक्षण निम्न प्रकार से है।

1.जिला स्तर पर आयोजित कार्यशालाओं का विवरणः–

➢ जिला स्तर पर मनरेगा आई.ई.सी कार्यशाला का आयोजनः–

कमांक	दिनाँक	विवरण	कुल प्रतिभागी
1.	1अप्रैल,2013	जिला स्तरीय मनरेगा कार्यस्थल आई.ई.सी बारे स्त्रोत व्यक्ति कार्यशाला	31
2.	9 अप्रैल,2013	जिला स्तरीय मनरेगा कार्यस्थल आई.ई.सी बारे स्त्रोत व्यक्ति कार्यशाला	22

2. खण्ड स्तर पर मनरेगा कार्यस्थल आई.ई.सी बारे स्त्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला प्रशिक्षण

3.

कमांक	दिनाँक	खण्ड का नाम	कुल प्रतिभागी
1.	29 जून,2013	सदर	18
2.	20 जून,2013	बल्ह	38
3.	15 जून,2013	सुंदरनगर	18
4.	16 जून,2013	करसोग	24
5.	12 जून,2013	गोपालपुर	30
6.	13 जून,2013	धर्मपुर	12
7.	11 जून,2013	द्रंग	12
8.	10 जून,2013	चौंतड़ा	13
9.	29 जून,2013	गोहर	17
10.	18 जून,2013	सराज	15
11.	20 जून,2013	बालीचौकी	12
	कुल		209

मनरेगा कार्यस्थल आई0ई0सी0 परियोजना के तहत मनरेगा कामगारों को बेसिक मनरेगा के तहत किये जाने वाले कार्यो की जानकारी व ग्राम सभा में शैल्फ डलवाने तथा मनरेगा एक्ट के तहत विभिन्न प्रावधानों की जानकारी के अलावा मातृ शक्ति बीमा योजना, स्वावलम्बन, स्वास्थय बीमा, सुक्ष्म बीमा व महिला हिंसा इत्यादि के बारे में भी जागरूक किया गया। समिति द्वारा माह अप्रैल से अक्तूबर 2013 तक कुल 5525 कार्यस्थलों में जागरूकता षिविरों को आयोजन किया गया। जिनका विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रमांक	माह	कुल कार्यस्थलों की संख्या
1.	अप्रैल, 2013	410
2.	मई, 2013	797
3.	जून, 2013	1180
4.	जूलाई, 2013	994
5.	अगस्त, 2013	786
6.	सितम्बर, 2013	1231
7.	अक्तूबर, 2013	127
	कुल	5525

इस प्रकार समिति द्वारा उक्त परियोजना के तहत 5525 कार्यस्थलों पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।

- **जिला मण्डी में मनरेगा कामगारों द्वारा काम के लिए आवेदन फार्म न0 4 भरवाने बारेः–** जिला मण्डी में मनरेगा कामगारों द्वारा काम के लिए आवेदन फार्म न0 4 भरवाने बारे कोई विशेष रूची नहीं ली गई जिस कारण जिला में मनरेगा के तहत किये जाने वाले कार्य में शिथिलता आई इस कारण अतिरिक्त उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में हुई बैठक में समिति को मनरेगा फार्म न0 4 भरवाने बारे निर्देश दिये गये जिसके फलस्वरूप जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा माह अक्तूबर 2013 में समिति को यह कार्य सौपा गया। समिति द्वारा इस कार्य को सुचारू रूप से चलाने हेतू जिला व खण्ड स्तर पर स्रोत व्यक्तियों की कार्यशाला को आयोजन किया गया। तथा 2,50,000 मनरेगा फार्म न0 4 भी मुद्रित करवाये गये। उक्त कार्य में गति लाने हेतू अतिरिक्त उपायुक्त महोदय की अध्यक्षता में जन प्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारीयों, मनरेगा कामगारों, स्वच्छता दूतों व आम लोगों को जागरूक करने हेतू शिविरों को आयोजन निम्न प्रकार से किया गयाः–

- दिनांक 1.11.2013 को **गाड़ागुसैणी** में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0, व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 2.11.2013 को **बालीचौकी** में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0, व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें कुल 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 23.11.2013 को **झीड़ी सदर** में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0,व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें कुल 150 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 26.11.2013 को **ठाकुर ठाणा** में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0 व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विकास खण्ड अधिकारी करसोग,सचिव

मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति मण्डी, प्रोजैक्ट डारैक्टर आई0डब्लू0एम0पी0 भी उपस्थित रहे। कैम्प में कुल 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 27.11.2013 को निहरी में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0, व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विकास खण्ड अधिकारी करसोग, विकास खण्ड अधिकारी सुनदर नगर, एस0ई0वी0पी0ओ0 गोहर, भी उपस्थित रहे। कैम्प में कुल 220 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 03.12..2013 को **जंजैहली** में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0, व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर मिल्कफैड चेयरमैंन श्री चेत राम की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विकास खण्ड अधिकारी सराज, सचिव मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति मण्डी, भी उपस्थित रहे। कैम्प में कुल 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

- दिनांक 04.12..2013 को गोहर पंचायत भवन में मनरेगा व सम्पूर्ण स्वच्छता अभियान बारे कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में मनरेगा आई0ई0सी0, व स्वच्छता अभियान बारे पंचायतों के जन प्रतिनिधियों, सचिव, सहायक सचिव, मनरेगा सहायकों, वार्ड मेंम्बरों, स्वच्छता दूतों व मनरेगा कामगारों नें भाग लिया। जागरूकता शिविर अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी की अध्यक्षता में हुआ जिसमें विकास खण्ड अधिकारी गोहर, सचिव मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति मण्डी, भी उपस्थित रहे। कैम्प में कुल 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा मनरेगा कामगारों के घर–घर जाकर उक्त फार्मों को भरवाया और सम्बन्धित पंचायत सचिव के पास जमा करवाया तथा रसीदें सम्बन्धित कामगारों तक पहुंचाई। जिसका माह बार विवरण निम्न प्रकार से है।

क्रमांक	**माह**	**कुल फार्म न0 4**
1.	नवम्बर, 2013	26364
2.	दिसम्बर, 2013	53349
3.	जनवरी, 2014	63202
4.	फरवरी व मार्च, 2014	87850
	कुल	**2,30,765**

4.1 एकीकृत जलागम विकास प्रबन्धन कार्यक्रम

एकीकृत जलागम विकास प्रबन्धन कार्यक्रम मण्डी के द्वारा जागरूकता एवंम् प्रचार प्रसार हेतू मण्डी साक्षरता एवंम् जन विकास समिति को स्वीकृति प्रदान की गई जिसके तहत समिति द्वारा जिला के पांच खण्डोंः–सदर, बल्ह, सराज, गोहर व गोपालपुर की कुल 60 पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियों जिनमें वार्ड पंच, उप–प्रधान, पंचायत समिति सदस्य तथा जिला परिषद सदस्यों के लिए अभिमुखीकरण शिविरों का आयोजन किया गया तथा 60 पंचायतों में प्रत्येक पंचायत में दो स्थानों पर कला जत्था द्वारा नुक्कड़ नाटक व गीत प्रस्तुत किय गए। जिससे इस कार्यक्रम की जानकारी आम भाषा में आम जनता में देने का प्रयास किया गया। 1 जूलाई 2013 को स्याँज विकास खण्ड गोहर से अतिरिक्त उपायुक्त मण्डी श्री गोपाल चन्द जी द्वारा कलाजत्था का शुभाभारम्भ किया गया। कलाजत्था द्वारा 1 जूलाई से 2013 से 31 जूलाई, 2013 तक मण्डी जिला के पांच विकास खण्डों सदर, बल्ह, सराज, गोहर व गोपालपुर की 57 पंचायतों का भ्रमण किया। कलाजत्था द्वारा कुल 135 प्रस्तुतियां दी गईं। जिसे प्रत्यक्ष रूप से 8643 लोगों ने देखा अनुसूचित जाति के 2914 लोग तथा 4916 महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुई। वार्ड स्तर पर कुल 191 कैम्पों का आयोजन किया गया इन कैम्पों में कुल 8907 लोगों शामिल हुए जिसमें से 4052 अनुसूचित जाति व 6989 महिलाओं की भागीदारी रही।पंचायत प्रतिनिधिओं के लिए खण्ड स्तर पर शिविरों का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 503 प्रतिनिधि शामिल हुए। जिसमें अनुसूचित जाति के 152 प्रतिनिधि तथा 120 महिला प्रतिनिधिओं ने अपनी भागीदारी दी। इस परियोजना के लिए जिला जलागम परियोजना मण्डी की ओर से समिति को कुल 12,10,482 रू0 की राशि स्वीकृत की गई थी।

4.2 आधार सर्वेक्षण कार्य

पिछली बैठक में सम्पन्न निर्णयानुसार मंडी जिला को भारत सरकार द्वारा डीबीटी योजना के अंतर्गत चिहिंत किया हैं। अतः सर्वप्रथम इस बारे में हर आदमी/बच्चे/महिला/ बुजुर्ग को आधार बनाने हेतु प्रेरित करना हैं। इस बारे 4 दिसंबर को उपायुक्त महोदय द्वारा यह कार्य समिति को सौंपा गया जिसमें सर्वप्रथम जिला के समस्त पैंशनरों का जोकि कल्याण विभाग से जुड़े हैं का सर्वेक्षण कार्य किया जाना था सौंपा गया जिसकी अंतिम तिथी 15 दिसंबर,2012 रखी गई थी। लक्ष्य काफी मुश्किल था 5 दिसंबर को फार्म मुद्रित करवाने को दिया गया 6–7 तारीख को प्रशिक्षण रखा गया। परंतु बंधाईसमिति की टीम को हमें 55857 पैंशनरों के स्थन पर 47559 पैंशनरों का सर्वेक्षण काय्र पूरे जिला में मात्र 5 दिनों में किया। 8298 पैंशनर नहीं मिले य उनके पते गलत पाये गये। 897 पैंशनर ऐसे पाये गये जो या तो मृत थे या शादी कर ली थी या नौकरी लग गये हैं। दूसरे चरण में 31 दिसंबर तक पूरे परिवार का डाटा एकत्रित किया जाना था परंतु आदर्श आचार संहित के चलते इस कार्य को 26 दिसंबर तक बंद किया गया। सरकार गठन के उपरांत मात्र एक माह में 247605 परिवारों में से 960120 सदस्यों का डाटा एकत्रित किया गया। इस कार्य हेतु जिल प्रशासन द्वारा समिति की सराहना की गई

5.सुक्ष्म जीवन बीमा योजना (प्रायोजित भारतीय जीवन बीमा)

कस	विवरण	कुल
1.	नवम्बर 2012 से मार्च 2013 कुल पॉलिसियां	12605
2.	कुल पॉलिसियां	38785
3.	कुल कार्यरत बीमा मित्र (SP)	321
4.	आज तक प्राप्त कुल मृत्यु दावे	196
5.	स्वीकृत मृत्यु दावे	186
6.	कुल राशि जो कि मृतकों के आश्रितों को वितरित की गई।	3232539
7.	कुल शिकायतें प्राप्त हुई	178
8.	कुल शिकायतों का निपटारा किया गया।	152
9.	कुल कमीशन प्राप्त	3310010.00
10.	**कमीशन वितरित**	2474433.00
11.	**TDS की राशि 30 दिसंबर,2013 तक**	**367778.00**

६.वित्तीय रिपोर्ट

Mandi Sakashrta Avum Jan Vikas Samiti (MSJVS) Sauli Khad Distt. Mandi (H.P.)

Sauli Khadd Distt. Mandi (H.P.)

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 2014

Expenses on Resource Center		251624.00	Income from Resource Center	319705.00
Honorarium & HRA		619118.00	Interest	9745.00
Commission Paid		37500.00	Commission Received	52438.00
Trevelling Expenses		7500.00	Commision Received	3434442.00
Bank Charges		200.00	LIC Premium Poin Work Shop Received From LIC	9000.00
Commssion Paid	1758935.60		Prize Money Received from LIC	58571.00
Less: Commssion Payable Last year	313481.00	1445454.60	Interest	143354.40
Office Expenses		160809.00	**Grant In Aid**	
Premium Point Expenses		12660.00	Adhar Survey	645000.00
Meeting & Trevelling Expenses		302027.00	Central Natural Water Board	8000.00
Softwere Expenses		15600.00	SHG Survey	145000.00
Bank Chrges		10336.10	ADB Shimla Kala Jatha	22500.00
			IMWP	1198115.00
Adhar Survey Expenses		1383886.00	MNREGA IEC	1044677.00
MNREGA IEC		647688.00	Nirmal Bharat Abhiyan	4040633.00
NIRMAL BHARAT ABHIYAN		3346430.00	Ration Card Digitaliation	215000.00
SHG Survey Expenses		116262.00	SHG Registration Fees	47500.00
Watershed Project Expenses		907291.00	TDS	435454.00
Central Natural Water Board Expenses		5022.00	**Grant In Aid NABARD**	
Expenses ADB Kala Jatha		22149.00	500WSHG	500000.00
Literacy Day Expenses		45896.00	VDP	148618.00
MNREGA SOCIAL Audit		15000.00	1000 WSHG	1440109.00
Medical Expenses		5000.00	HPGB Incentive	130875.00
Ration Card Digitalization Expenses		190650.00	1200 SHG	371027.00
Refreshment		10166.00	RIF	127894.00
1000 WSHG Expenses		1742741.00	Kisan Club	459000.00
1200 WSHG Expenses		538003.00	SDP	8500.00
500 WSHG Expense		351681.00	SDP Countribution	9190.00
Financial Literacy Expenes		298113.00		
JLG Expenses		26572.00		
Kisan Club Expenes		279130.00		
Expenses on Lohgiri Cluster		225794.00		
SDP Expenses		252286.00		
HPGB Incentive		56099.00		
SDP Epenses		93349.00		
RIF Epenses		212054.00		
Electrycity Expenses		8952.00		
Depreciation		113160.93		
Excess Income Over Expenditue		1268143.77		
Total		**15024347.40**	**Total**	**15024347.40**

महासचिव
मण्डी साक्षरता एवम् जन विकास समिति
मण्डी, जिला मण्डी (हि.प्र.)

Checked By
Treasurer MSJVS

मण्डी साक्षरता एवं जन विकास समिति मण्डी, हि०प्र०

Chairman/Co Chairman
Mandi Saksharta Avum
Jan Vikas Samiti

Joint Secretary Cum Office Secretary
Mandi Saksharta Avum Jan Vikas Samiti
Mandi, Distt. Mandi (H.P.)

AUDITORS REPORT

In terms of our audit report of even date attached.

Place:- Mandi

Date:- 22/06/2014

For Rajeev Sood & Co.
Chartered Accountants
Partner

7. समिति के कार्यकारिणी–साधारण सभा व सदस्यों का विवरण

List of Office Bearers , EC & GB Member of MSJVS

S. N.	Name	Designation	Mobile
1	Sh. Devesh Kumar, IAS	Chairman / DC	98055-00005
2	Sh. Gopal Chand	Co- Chairman/ ADC	94180-65900
3	Sh. Hemant Raj	Senior Vice --Chairman	94181-00333
4	Sh. Kundan Singh	Vice Chairperson	94181-66912
5	Dr. Veena Vaidya	Vice Chairperson	94184-56803
6	Sh. Rajinder Mohan	General Secretary	94184-94222
7	Sh. Joginder Walia	Secretary	94180-23354
8	Sh. Lalit Sharma	Joint-cum Office Secretary	94181-64777
9	Sh. Tilak Ram	Joint Secretary	94181-64779
10	Dr. Vijay Vishal	Finance Secretary	94181-23571
11	Sh. Bhim Singh	Treasurer	94180-73190
12	Dr. Kamal Pyasa	Governing Council Member	98821-76248
13	Sh. Birbal Sharma	Governing Council Member	9418040040
14	Sh. Bhupender Singh	Governing Council Member	94180-35530
15	Sh. Desh Raj Sharma	Governing Council Member	94181-58281
16	Sh. Narpat Ram	Governing Council Member	94183-71321
17	Sh. Murari Sharma	Governing Council Member	94180-25190
18	Sh. N.R. Thakur	Governing Council Member	94184-83177
19	Sh. Paras Rsam	Governing Council Member	94184-85605
20	Sh. Sanjeev Thakur	Governing Council Member	94184-99553
21`	Sh. Sevak Ram	Governing Council Member	94181-64778
22	Sh. Naval Kishore	Governing Council Member	94186-53288
23	Sh. Shyam Singh Chauhan	General Body Member	98170-10786
24	Sh. Ved Prakash Sharma	General Body Member	94184-63750
25	Sh. Kuldeep Guleria	General Body Member	94181-44703
26	Sh. Bhagat Singh Guleria	General Body Member	94180-37815
27	Sh. Devinder Kumar	General Body Member	94182-77268
28	Sh. Kanshi Ram	General Body Member	94185-90074
29	Smt. Geeta Devi	General Body Member	94184-66514
30	Smt. Jaiwanti	General Body Member	94186-52243
31	Smt. Meera Sharma	General Body Member	94182-75772
32	Smt. Mohni Rana	General Body Member	94184-89248
33	Sh. Hitender Kapoor	General Body Member	94184-98167
34	Sh. Chandu Ram Premi	General Body Member	94180-69773
35	Sh. Khem Singh	General Body Member	94184-19729
36	Sh. Kesar Singh	General Body Member	98571-72772
37	Smt. Kamlesh Sharma	General Body Member	98160-15371

Organization Member of MSJVS

S. N.	Name	Designation	Mobile
1	Prof. Sunder Lohia	Founder Secretary	94182-61441/ 94189-77512
2	Smt. Krishna Tandon	Member	94183-00901
3	Smt. Padma Sharma	Member	94184-67048
4	Smt. Prem Kumari Thakur	Member	94182-00259

8.अखबारों की कतरने

मंडी-कुल्लू केसरी

घासफूस के कोयले से भट्ठी में होगा लोहा गर्म

इलैक्ट्रिक हथौड़ा भी बना तारनहार, सराज में 8 पास बेरोजगार ने चमकाया पुश्तैनी कारोबार

बेकार घासपती से कोयला तैयार कर खड़ा किया कृषि औजार कारखाना, मंडी साक्षरता समिति के सहयोग से डी.ग्रार.डी.ए. ने की वित्तीय मदद

मंडी, 26 अगस्त (पुरुषोत्तम): प्रदेश में अब घासफूस के कोयले से भी भट्ठी में लोहा गर्म होगा, साथ ही चीड़ की पत्तियां दावानल का कारण नहीं बनेंगी बल्कि इससे लोहार की धौंकणी, गृहिणी का चूल्हा और अंगीठी की आग दहकेगी। अब चीड़ की पतियों से कोयला तैयार कर इसे ऊर्जा के एक नए स्रोत के रूप में उपयोग शुरू हो गया है।

इस कामयाबी का श्रेय जिला के दूरस्थ दलित गांव लोट व चोहड़ी के अब तक पारम्परिक लौहगिरी का काम करने वाले गरीब परिवारों को जाता है। यहां पेरे गांव में 8 पास बेरोजगार मोहर सिंह ने अपने गांव के पुश्तैनी क ारोबार को चमकाने का प्रण लिया है और एक साल में 60 परिवारों के सहयोग से 30 लाख रुपए सालाना कमाई का लक्ष्य रखा है। उत्तराखंड के देहरादून की एक संस्था के वैज्ञानिक चंद्रा तिवारी ने चीड़ की पत्तियों से कोयला बनाने की तकनीक इजाद कर इसके लिए पाइन बेकर मशीन भी तैयार कर ली है जिससे एक दिन में 2 से अढ़ाई क्विंटल कोयला तैयार किया जा सकेगा।

हालांकि, यह ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए जाने वाले उपलों का सुधरा हुआ रूप है जिसमें गोबर की मात्रा 95 प्रतिशत रहती थी। मगर चीड़ और अन्य घासफूस से बनने वाले कोयले में मात्र 5 प्रतिशत गोबर का उपयोग होता है। इस बारे में डा. चंद्रा तिवारी ने स्वयं सहायता समूहों एवं लोहगिरी और मैडल सौट दस्तकारी से जुड़े दस्तकारों को चीड़ की पत्तियों से कोयला बनाने का प्रशिक्षण दिया। सराजघाटी की थाची और भनवास पंचायतों के 2 लोहगिरी कलस्टरों में अब चीड़ की पत्तियों से बने कोयले का ही उपयोग किया जाएगा। आशु देवता स्वयं सहायता समूह चौहड़ी और भनवास के लोटी जहल द्वितीय स्वयं सहायता समूहों को डा. चंद्रा तिवारी ने विशेष रूप से इस बारे प्रशिक्षित किया है। यह कोयला लोहार की धौंकनी को गर्म करने के अलावा खाना बनाने और सर्दी में आग सेंकने में काम आएगा।

इस कोयले की विशेषता यह है कि यह धुआं रहित होगा। इसमें 95 प्रतिशत पत्तियां तथा 5 प्रतिशत गोबर या मिट्टी का मिश्रण होगा। दोनों स्वयं सहायता समूहों ने इस कार्य को अंजाम देने के लिए 62500 रुपए की कीमत की 2 मशीनें खरीद ली हैं जिससे लोहे के औजार बनाने का काम शुरू हो गया है जबकि

> इस कोयले से जंगलों की आग से बचाया जा सकता है, वहीं जलाने की लकड़ी का कम इस्तेमाल होगा।
>
> **भीम सिंह मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति के सह सचिव**

आजतक ये 60 परिवार हाथ से हथौड़ा मारकर लोहा पीट पसीना बहाते रहे हैं लेकिन अब इलैक्ट्रोनिक हैमर ने हथौड़े की जगह लेकर 10 आदमियों का काम आसान कर दिया है और अब केवल एक ही व्यक्ति यह सब काम अकेले कर सकता है।

दस्तकार चंद्रमणी, मोहर सिंह व दयालु राम ने बताया कि वे इस कोयले को खाना पकाने व औजार बनाने में प्रयोग करेंगे। इससे हम अपनी आर्थिकी भी मजबूत कर सकते हैं।

इस कार्य के लिए रूरल इनोवेशन परियोजना के तहत राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड ने सहयोग दिया है।

मंडी : इलैक्ट्रॉनिक हैमर से लोहे के औजार तैयार करता कारीगर व (इनसैट में) घासफूस व चिलारू से मशीन में कोयला बनाते हुए लौहगिरी कारीगर। (संजू)

हिमाचल दस्तक | धर्मशाला | मंगलवार, 27 अगस्त, 20

कोयला बनाने का प्रशिक्षण दिया

मंडी। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा चीड़ की पत्तियों एवं बेकार पत्तियों का कोयला तैयार करने के लिए एक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें देहरादून की एक संस्था के वैज्ञानिक चंद्रा तिवारी ने स्वयं सहायता समूहों व दस्तकारों को कोयला बनाने का प्रशिक्षण दिया। इसमें 95 प्रतिशत पत्तियों की मात्रा तथा 5 प्रतिशत गोबर या मिट्टी का प्रयोग किया जाएगा। यह जानकारी भीम सिंह, सह सचिव मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति ने दी।

मेघ के बनाए नगाड़े पर थिरकते हैं पहाड़ के लोग

ढोल, नगाड़े, करनाल और रणसिंगे बनाने में माहिर

अमर उजाला ब्यूरो

मंडी। देवरथ और लोक वाद्य यंत्र बनाने का पुश्तैनी कारोबार मंडी जिले की थाची पंचायत के चौहड़ी गांव में सदियों से होता आया है। आज भी चौहड़ी गांव के मेघ सिंह के बनाए वाद्य यंत्र की लोक धुनों पर हिमाचल की वादियां झूम उठती हैं। देवी-देवताओं की शोभायात्राएं निकलती हैं। पहाड़ का जनमानस कदम से कदम मिलाकर नाटी डालता है। चौहड़ी निवासी मेघ सिंह अपनी शीट मैटल वर्कशॉप में देवताओं के लिए ढोल, नगाड़े के खोल बनाते हैं। मंडी सराज से लेकर कुल्लू, शिमला आदि क्षेत्रों के देवी देवताओं के लिए सोने-चांदी और अष्टधातु के मुखौटे (स्थानीय बोली में मोहरे) का निर्माण करता है। उसे देवी देवताओं के रथ बनाने के लिए दूर-दूर से बुलाया जाता है। मेघ सिंह का कहना है कि देवी-देवताओं के रथ और लोक वाद्य यंत्रों से ही हिमाचल की पहचान है। वह परंपरागत पीतल के ढोल, नगाड़े, करनाल का निर्माण करते हैं। तांबे और चांदी के रणसिंगे और करनाल का निर्माण भी करते हैं। मेघ सिंह के बनाए लोक वाद्य यंत्रों की मांग दूर-दूर तक है। वह हिमाचल प्रदेश में होने वाले राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेलों में ढोल-नगाड़े के खोल, करनाल और रणसिंगे बेचने के लिए मंडी शिवरात्रि, कुल्लू दशहरा, लवी, मिंजर, सुकेत और बिलासपुर के नलवाड़ मेलों में जाते हैं। वह अपने इस पुश्तैनी कारोबार से खुश हैं। हालांकि, सरकार की ओर उसे किसी तरह की मदद नहीं मिलती है। महंगाई के चलते कच्चे माल के दाम बढ़ने लगे हैं। इससे उसके बनाए वाद्य यंत्रों के दाम भी बढ़ जाते हैं। वह अपने बेटे को भी अपने इस हुनर की जानकारी दे रहा है, ताकि यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहे।

11-9-13

अमर उजाला

अमर उजाला

किसानों, महिलाओं को किया जागरूक

धर्मपुर (मंडी)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के सहयोग से ग्राम पंचायत डरवाड़ के गरली गांव में किसान क्लबों और महिला स्वयं सहायता समूहों का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक एमपीशर्मा और साक्षरता एवं जन विकास समिति कार्यकारिणी के सदस्य भूपेंद्र सिंह ने विशेष रूप उपस्थिति दर्ज कराई। नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक एमपीशर्मा नेकिसान क्लब के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड, महिला स्वयं सहायता समूह, संयुक्त देयता समूह आदि योजनाओं का किसानों, बागवानों और पशु पालकों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। शिविर में डरवाड़, गरली, भड़ू, चस्वाल, छत्रैणा किसान क्लबों के स्वयंसेवियों और सदस्यों, सात महिला स्वयं सहायता समूहों के प्रधान व सचिवों ने भाग लिया। शिविर में साक्षरता एवं जन विकास समिति नाबार्ड के खंड समन्वयक गोपाल सिंह और कलस्टर समन्वयक डरवाड़ व बसंतपुर लता देवी व देवराज, डरवाड़ पंचायत के प्रधान सुरेश कुमार आदि मौजूद रहे। 11-9-2013

किसान क्लब डरवाड़ पुरस्कृत

सरकाघाट (मंडी)। किसान क्लब डरवाड़ को बेहतरीन कार्यों के लिए पुरस्कार से नवाजा गया है। उपायुक्त मंडी देवेश कुमार ने किसान क्लब डरवाड़ को कृषि, बागवानी, पशुपालन, कृषि एवं ग्राम विकास में आधुनिक तकनीक अपनाने, पेयजल स्रोतों एवं पर्यावरण की सुरक्षा में सराहनीय कार्य करने पर पुरस्कृत किया। ग्रामीण विकास समिति डरवाड़ की बैठक में किसान क्लबों और स्वयं सहायता समूहों का भी गठन किया गया। बैठक में नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक एमपी शर्मा, ग्रामीण विकास समिति के संस्थापक एवं सलाहकार भूपेंद्र सिंह सहित आधा दर्जन किसान क्लबों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर ग्रामीण विकास समिति अध्यक्ष ओम चंद, उपाध्यक्ष बलवीर सिंह, मेहर सिंह, राजकुमार, कुलदीप सकलानी, वरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

11-9-2013

अमर उजाला

दैनिक जागरण 17/01/13

एडीसी मंडी ने किया वर्कशेड का शुभारंभ

लोहगिरी कलस्टर का शुभारंभ करते हुए अतिरिक्त उपायुक्त मंडी गोपाल चंद। जागरण

संवाद सहयोगी, मंडी : लोहगिरी कलस्टर थाची के गांव चौहड़ी, थाची, लोट व ग्राम पंचायत बागीभनवास में वर्कशेड व मशीनरी का शुभारंभ बुधवार को अतिरिक्त उपायुक्त मंडी गोपाल चंद ने किया। यह परियोजना राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड की ओर से नवंबर 2009 को स्वीकृत हुई थी।

परियोजना को पूरा करने के लिए ग्रामीणों ने 11 क्विंटल की मशीन गांव तक पहुंचाई। गांव में दूसरी समस्या बिजली की थ्री फेस लाइन नहीं थी। डीसी देवेश कुमार के प्रयास से दस्तकारों को 3,24,000/-बिजली की थ्री फेस लाइन का फायदा हुआ। इस कार्य में जिला विकास अभिकरण ने दो वर्कशेड के लिए 3 लाख 60 हजार, दस्तकारों द्वारा दो लाख रुपये बिजली की सिक्योरिटी व बोर्ड, नाबार्ड द्वारा मशीनरी, एक्सपोजर, प्रशिक्षण, रूरल मार्ट मंडी के लिए अनुदान दस लाख रुपये रहा है।18,84,000 रुपये से गांव के 60 दस्तकारों के जीवन में परिवर्तन आएगा। दोनों गांव में एक लाख 20 हजार की लागत से खरीदी गई पत्तियों से कोयला बनाने वाली दो मशीनें रूरल इनोवेशन फंड के तहत नाबार्ड ने दी। इस कार्य को करने में मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति को बहुत मुश्किलें आई लेकिन आखिर इस कार्य को अंजाम दिया गया। कार्यक्रम में जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड एमपी शर्मा, खंड विकास अधिकारी सराज, समिति के सचिव ललित शर्मा, सह सचिव भीम सिंह, वित्त सचिव डॉ. कमल के प्यासा, प्रधान ग्राम पंचायत बागी भनवास, सोमगाड़, थाची कलस्टर कार्यकर्ता चन्द्रमणी, वेद राम, पुरुषोतम राम ने भी विचार रखे।

अमर उजाला 12-11-13

नौण में शिविर लगा किया उपचार

मंडी। साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा चलाए जा रहे गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत गोहर विकास खंड के गांव नौण में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बीमारियों और शारीरिक स्वास्थ्य की जांच की गई। स्वास्थ्य शिविर में डा. ज्ञान, डा. हंस राज, डा. अजय और स्वास्थ्य शिक्षक मनोज महाजन ने विशेष रूप से भाग लिया। डा. हंस राज ने कहा कि महिलाओं को भारी कार्य करने से उन्हें विभिन्न शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति से परियोजना की समन्वयक रीना ठाकुर ने बताया कि समिति द्वारा चलाए जा रहे इस गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत आने वाले दिनों में विभिन्न गांवों में इस तरह के आयोजन किए जाते रहेंगे। इस मौके पर खंड समन्वयक कुंदन, पंचायत प्रधान सुमित्रा देवी और गांव उत्थान कार्यक्रम समन्वयक ईश्वर दास मौजूद रहे।

दिव्य हिमाचल 12-11-13

नौण में 50 का स्वास्थ्य जांचा

मंडी – मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा चलाए जा रहे गांव उत्थान कार्यक्रम के तहत गोहर विकास खंड के गांव नौण में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 50 महिला पुरुषों ने भाग लिया। शिविर में बीमारियों व शारीरिक स्वास्थ्य की जांच की गई। इसमें मुख्य तौर पर आंखों, दांत के रोगों की जांच की गई तथा महिलाओं को भी उनसे संबंधित विभिन्न शारीरिक समस्याओं के बारे में बताया गया। स्वास्थ्य शिविर में डा. ज्ञान, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. हंस राज, दंत विशेषज्ञ डा. अजय, स्वास्थ्य शिक्षक मनोज महाजन ने विशेष रूप से भाग लिया। लोगों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई।

Evergreen
Page No.
Date: / /201

MSJVS समारोह 5/2/14
बैठक कक्ष के उद्घाटन व प्रशिक्षण केन्द्र का शिलान्यास

मंडी में साक्षरता समिति के कक्ष का उदघाटन करते डीसी।

डीसी ने किया समिति कक्ष का उद्घाटन

मंडी। मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति परिसर के सौली खड्ड में डीसी देवेश कुमार ने बैठक कक्ष का उद्घाटन और प्रशिक्षण केंद्र भवन का शिलान्यास किया। समारोह में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत राज वैद्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि समिति से जुड़े विभिन्न जन आंदोलनों और संगठनों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से समिति ने प्रदेश में ही नहीं पूरे भारत में अपना नाम कमाया है। मुख्यातिथि ने समिति को दो लाख की राशि भोजनालय निर्माण के लिए प्रदान की। समिति के महासचिव राजेंद्र मोहन ने समिति बारे जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष कुंदन ठाकुर, डा. वीना वैद्य, भूपेंद्र सिंह, बीरबल शर्मा, समिति सचिव जोगेंद्र वालिया, डा. कमल के प्यासा, मुरारी शर्मा, नवल किशोर, नरपत राम वर्मा, मोहिनी राणा, जयवंती, पुष्पराज शर्मा, अनु मेहरा, भीम सिंह, सहसचिव ललित शर्मा, तिलक राम चौहान, सेवक राम ठाकुर, एमके शर्मा, डीडीएम नाबार्ड और एलडीएम अमर सिंह ठाकुर मौजूद रहे।

A.U. 5/2/14 2

अमर उजाला
5 फरवरी, 2014

विकास समिति के प्रशिक्षण केंद्र की नींव रखी

मंडी – मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति परिसर के सौलीखड्ड में उपायुक्त देवेश कुमार द्वारा बैठक कक्ष का उद्घाटन व प्रशिक्षण केंद्र भवन का शिलान्यास किया गया। इस उद्घाटन के सादे समारोह में समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत राज वैद्य द्वारा मुख्यातिथि का स्वागत किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में समिति से जुड़े विभिन्न जन आंदोलनों व संगठनों से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं के अथक प्रयासों से समिति ने प्रदेश में ही नहीं पूरे भारतवर्ष में अपना नाम कमाया है।

DH. 5/2/14
2

दिव्य हिमाचल
5 फरवरी, 2014

मंडी : जन विकास नीति के बैठक कक्ष का शुभारंभ करते डीसी देवेश कुमार

Evergreen
Page No.
Date : / /201

मंडी : साक्षरता भवन में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को जानकारी देतीं विशेषज्ञ। इस दौरान मौजूद महिलाएं

महिलाओं को दी एनआरएलएम की जानकारी

मंडी — मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत जानकारी दी गई, जिसमें सदर खंड की सौ से अधिक समूहों की प्रधान-सचिवों ने भाग लिया। खंड विकास अधिकारी नवीन शर्मा ने जानकारी दी कि प्रदेश में शिमला व मंडी इस कार्यक्रम में लिए गए हैं, जिसमें सदर खंड को लिया गया है। कार्यक्रम के तहत प्रथम बार पच्चास हजार, दूसरी बार एक लाख, तीसरी बार दो से पांच लाख तथा चौथी बार पांच से दस लाख ऋण दिया जाएगा। परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने कहा कि समिति द्वारा इस वर्ष 1015 समूहों का गठन किया गया, जिसमें से सदर खंड में 80 समूहों का गठन किया गया है। इन समूहों को 15 फरवरी तक बैंक से जोड़ा जाएगा तथा इन्हें विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। समिति के महासचिव राजेंद्र मोहन ने कहा कि समूह के माध्यम से महिला समानता, अंधविश्वास व सरकार की विभिन्न योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है। इस मौके पर जोगिंद्र वालिया, ललित शर्मा, सुनीता देवी, रीना शर्मा व संतोष ने भी अपने विचार रखे।

दिव्य हिमाचल
6 फरवरी, 2014

Evergreen
Page No. ______
Date: __ / __ /201

मंडी

7 फीसदी ब्याज पर पांच लाख ऋण

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलेगा लाभ

अमर उजाला ब्यूरो

मंडी। साक्षरता एवं जन विकास समिति द्वारा गठित महिला स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ([illegible]) के तहत जानकारी दी गई।

इसमें सदर खंड की सौ से अधिक समूहों की प्रधानों और सचिवों ने भाग लिया। खंड विकास अधिकारी नवीन शर्मा ने बताया कि प्रदेश के शिमला और मंडी जिला को कार्यक्रम में शामिल किए हैं।

समय पर किस्त दें तो चार फीसदी ब्याज

मंडी जिला में सदर खंड को लिया है। कार्यक्रम के तहत प्रथम बार 50 हजार, दूसरी बार एक लाख, तीसरी बार दो से पांच लाख तथा चौथी बार पांच से दस लाख ऋण दिया जाएगा। ऋण सात प्रतिशत ब्याज दर पर मिलेगा।

सही समय पर बैंक में किस्त जमा करने पर चार प्रतिशत ब्याज दर ही लगेगा। कार्यशाला में विभिन्न प्रशिक्षण दिए जाएंगे। इसमें आंध्र प्रदेश और केरला से स्रोत व्यक्ति आकर समूहों को विभिन्न कौशल सिखाएंगे। परियोजना समन्वयक भीम सिंह ने कहा कि समिति द्वारा इस वर्ष 1015 समूहों का गठन किया है। इसमें सदर खंड में 80 समूहों का गठन किया है। इन समूहों को पंद्रह फरवरी तक बैंकों से जोड़ा जाएगा और इन्हें विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। समिति इस माह सदर खंड में समूहों को रजिस्टर में वित्तीय लेखा जोखा रखने का प्रशिक्षण विभिन्न स्थानों में आयोजित किए जाएंगे। समिति के महासचिव राजेंद्र मोहन ने कहा कि समूह के माध्यम से महिला समानता, अंधविश्वास और सरकार की विभिन्न योजनाओं को जनता तक पहुंचाना है। इस मौके पर समिति के सचिव जोगिंद्र वालिया, सहसचिव एवं कार्यालय सचिव ललित शर्मा और सदर खंड की प्रभारी सुनीता देवी, रीना शर्मा तथा खंड समन्वयक सदर संतोष ने भी विचार रखे।

अमर उजाला

॰ अमर उजाला 6 फरवरी, 2014 ॰

अवसर | जमणी में दिया जाएगा 20 गांवों के लोगों को प्रशिक्षण, नाबार्ड

बांस के उत्पाद बनाना सीखेंगे

असम से आए प्रशिक्षक देंगे लोगों को प्रशिक्षण, आज से 29 मार्च तक

हिमाचल दस्तक। मंडी

जिले के ग्रामीण अब बांस से विभिन्न उत्पादों को बनाना सीखकर स्वरोजगार की राह अपना सकेंगे। बांस से विभिन्न उत्पादों को बनाए जाने का हुनर ग्रामीणों को सिखाया जाएगा। सरकाघाट के जमणी क्षेत्र में करीब 20 गांवों के लोगों को बांस से विभिन्न प्रोडक्टों को बनाए जाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका पूरा खर्चा नाबार्ड वहन करेगा। 10 मार्च से शुरू होने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में असम के प्रशिक्षक ग्रामीणों को प्रशिक्षण देंगे।

19 दिन चलेगा प्रशिक्षण

जमणी में 10 मार्च को शुरू होने वाला यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 मार्च तक चलेगा। इसमें डीडीएम नाबार्ड विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। इसमें गोपालपुर ब्लॉक के करीब 20 गांवों के बाशिंदों को बांस से विभिन्न चीजों को बनाना सिखाया जाएगा, ताकि लोग स्वरोजगार अपनाकर अपनी आर्थिकी को मजबूत कर सकें। असम से आए प्रशिक्षक ग्रामीणों को बांस के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

जमणी में विभिन्न गांवों के लोगों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए उन्हें बांस से बनाए जाने वाले कुछ विभिन्न चीजों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 से 29 मार्च तक चलेगा। असम से आए प्रशिक्षक उन्हें प्रशिक्षण देंगे। इसका पूरा खर्चा नाबार्ड वहन करेगा।

-भीम सिंह, समन्वयक, मंडी साक्षरता एवं जन विकास समिति

सरकाघाट- धर्मपुर में बहुतायात मात्रा में पाया जाता है बांस

जिला के सरकाघाट व धर्मपुर में बांस बहुतायत मात्रा में पाया जाता है। स्थानीय स्तर पर इसका उत्पादों को बनाए जाने में ज्यादा प्रयोग न होने के चलते इसे दूसरे राज्यों को एक्सपोर्ट किया जाता है।

10 मार्च 2014
(हिमाचल दस्तक)

जानकारी : पहली मई को होगा ग्राम सभा दिवस का आयोजन

विशेष स्वच्छता अभियान पहली से

वरिष्ठ संवाददाता, मंडी : पहली से चार मई तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी उपायुक्त देवेश कुमार ने इस संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। उन्होंने बताया कि पहली मई को ग्राम सभा दिवस का आयोजन किया जाएगा।

इसमें ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत की वर्तमान स्वच्छता स्थिति तथा स्वच्छता बनाए रखने से संबंधित अब तक किए गए कार्यों की जानकारी जनता को प्रदान की जाएगी। शौचालय रहित परिवारों को जल्द से जल्द शौचालय निर्माण करने तथा उसके प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। दो मई को स्कूल, आंगनबाड़ी व सामुदायिक स्वच्छता दिवस का आयोजन किया जाएगा।

तैयारी

- दो मई को स्कूल, आंगनबाड़ी व सामुदायिक स्वच्छता दिवस मनाया जाएगा : देवेश कुमार
- आयोजनों की सफलता के लिए आज तक होंगी बैठकें

उन्होंने बताया कि इस दौरान ग्राम पंचायत में स्थित सभी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों व संस्थानों का निरीक्षण किया जाएगा। इसके अलावा वहां शौचालयों व आसपास की स्वच्छता स्थिति का अवलोकन करके पाई गई कमियों की जानकारी उस स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, कार्यालय व संस्थान के प्राधिकारी को लिखित रूप में दी जाएगी। उन्होंने बताया कि तीन मई को महिला एवं शिशु दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुर्वेद विभागों द्वारा पंचायतों में स्थित स्वास्थ्य केंद्र व स्वास्थ्य उपकेंद्र में वृद्ध महिलाओं व बच्चों के लिए निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि चार मई को स्वच्छता प्रहरी दिवस के अवसर पर स्कूल के बच्चों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जल व स्वच्छता से संबंधित जागरूकता रैलियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेष स्वच्छता सप्ताह को सफल बनाने के लिए 25 अप्रैल तक सभी विकास खंड अधिकारी बैठकों का आयोजन करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कार्यक्रम के सफल आयोजन में पूर्ण सहयोग दें।

दैनिक जागरण 24-4-2013

(2)

पिंगला पंचायत को स्वच्छ बनाने का लिया संकल्प

सरकाघाट (मंडी)। गोपालपुर विकास खंड की ग्राम पंचायत पिंगला में बुधवार को पंचायत प्रधान सुषमा देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा की बैठक आयोजित की गई। इसमें ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित निर्मल भारत अभियान के तहत प्रदेश में प्रस्तावित चार दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान को गति देने पर चर्चा की गई। सुषमा ने बताया कि बैठक में उपस्थित स्थानीय पंचायत के लोगों, महिला एवं युवक मंडलों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षा विभाग सहित अन्य सरकारी कर्मचारियों ने पंचायत को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। बैठक में निर्णय लिया कि इस दिशा में कोताही बरतने वालों को दंडित किया जाएगा। बैठक में चंपा देवी, सरिता, आशा कुमारी, सपना, जागृति, भावना, संजय, बनिता, श्रेष्ठा, नूतन, अभिलाषा आदि मौजूद थे।

स्वच्छता के प्रति जागरूक किया

जैदेवी में मनाया गया खंड स्तरीय संपूर्ण स्वच्छता सप्ताह

21/5/2013

अमर उजाला ब्यूरो

महादेव (मंडी)। जैदेवी पंचायत में निर्मल भारत अभियान के अंतर्गत विशेष स्वच्छता सप्ताह के तहत खंड स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पंचायत प्रधान बिमला देवी ने की।

इस अवसर पर पंचायत प्रधान ने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता और सुरक्षित पेयजल प्रयोग आवश्यक है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों और समस्त ग्रामीणों से स्वच्छता पर विशेष प्राथमिकता देने का आह्वान किया है। खंड समन्वयक प्रेम सिंह ने बताया कि विशेष स्वच्छता सप्ताह के तहत उपमंडल की समस्त पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया और स्वच्छता, स्वास्थ्य और पेयजल सुरक्षा के प्रति पंचायत के प्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के सहयोग से लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया। उन्होंने बताया कि निर्मल भारत अभियान के तहत संपूर्ण स्वच्छता पर एक मई से चार मई तक स्वच्छता सप्ताह के रूप में मनाया जा रहा है। सीसे जैदेवी के प्रधानाचार्य एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी गिरधारी लाल ने स्वच्छता सप्ताह के मौके पर स्कूलों में किए जाने वाले कार्यक्रम तथा स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर शौचालय बनाने तथा पानी की कमी की समस्या पर चर्चा की। इस मौके पर पंचायत सहायक नरोत्तम, तकनीकी सहायक रोशन लाल, स्वच्छता दूत टेक चंद, स्वास्थ्य कार्यकर्ता नरोत्तम राम, आंगनबाडी कार्यकर्ता बिंद्रा देवी, जुध्या देवी, धनवंती, सुदर्शना, तारा, भावना, मनरेगा अन्वेक्षण अध्यक्ष खेम चंद आदि मौजूद थे।

बग्गी पंचायत में स्वच्छता सप्ताह

गोहर (मंडी)। बल्ह विकास खंड की बग्गी पंचायत में बुधवार को स्वच्छता सप्ताह आयोजित किया गया। इस मौके पर पंचायत प्रधान विकास गुप्ता, बीडीसी उपाध्यक्ष बल्ह पंचायत समिति प्रदीप ठाकुर, उप प्रधान नेत्र सिंह समेत आईपीएच विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बग्गी पंचायत के प्रधान विकास गुप्ता ने कहा कि लोग स्वच्छ पेयजल के साथ-साथ इसके रखरखाव में भी विभाग का सहयोग दें। विभाग के जेई देवेंद्र कश्यप ने कार्यक्रम में आए लोगों को पेयजल के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर पंचायत के अन्य प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया।

रैली निकाल पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

21/5/13

संवाद सहयोगी, नेरचौक : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गागल में राष्ट्रीय पर्यावरण जागरुकता अभियान के अंतर्गत जैव विधिता संरक्षण पर कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में पंचायत प्रधान गोडा गागल बंती देवी थी। इस अवसर पर एसएमसी प्रधान टेक चंद भी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों ने रैली निकालकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया। प्रवक्ता ज्योति ने बच्चों को जैव विधिता की जानकारी दी। प्रधानाचार्य मीरा शर्मा ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कई प्रतियोगिताएं हुई। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में गांधी सदन के मुकेश, प्रीति भाटिया, अंजली प्रथम स्थान, सुभाष सदन के टिवंक्ल, मनीशा, दिपाली और भारती दूसरे स्थान पर रहे। पेंटिंग व चित्रकला में रीना ठाकुर प्रथम, सौरभ कुमार द्वितीय और नारा लेखन में गांधी सदन की प्रीति भाटिया प्रथम व सुभाष सदन की रक्षा दूसरे स्थान पर रही। वहीं, नीलकमल ईको क्लब के संयोजक वंदना ने जैव विधिता संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला।

सुंदरनगर में संपूर्ण स्वच्छता सप्ताह पर कार्यक्रम शुरू

सुंदरनगर : सुंदरनगर की जैदेवी पंचायत में निर्मल भारत अभियान के तहत विशेष स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को पंचायत प्रधान बिमला देवी ने किया। उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता व स्वच्छ पेयजल प्रयोग की आवश्यकता पर बल दिया। है। खंड समन्वयक प्रेम सिंह ने बताया कि विशेष स्वच्छता सप्ताह के तहत उपमंडल की समस्त पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा और स्वच्छता, स्वास्थ्य व पेयजल सुरक्षा के प्रति प्रतिनिधियों व लोगों को जागरूक किया जाएगा। ग्राम सभा में खुला शौचमुक्त योजना के तहत शेष बचे परिवारों को तुरंत शौचालय निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

में ग्राम सभाओं का आयोजन

21/5/13

खड़ीहर पंचायत में बुधवार को संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत बैठक करते पंचायत प्रधान व प्रतिनिधि। जागरण

शिक्षा संस्थानों में मनाया स्वच्छता सप्ताह

स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम के तहत पद्दर में रैली का आयोजन किया गया जिसमें स्कूली बच्चों ने भाग लिया। जागरण

संवाद सहयोगी, पद्दर : उपमंडल के शिक्षा संस्थानों में वीरवार को स्वच्छता सप्ताह कार्यक्रम के तहत स्वच्छता दिवस मनाया गया। स्कूली बच्चों ने कस्बों और गावों में रैलियां निकालकर लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। उधर बाल विकास परियोजना कार्यालय कुन्नू द्वारा वृत्त स्तर पर स्वच्छता जागरूकता शिविर का आयोजन पंचायत भवन में आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत प्रधान दलीप सिंह ठाकुर ने की। विभाग की ओर से पर्यवेक्षक रमा ने स्वच्छता के संदर्भ में महिलाओं को जानकारी दी। इधर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला टांडू में एनएसएस से जुड़े स्वयं सेवियों ने कार्यक्रम प्रभारी प्रवक्ता इंद्र सिंह और शारीरिक शिक्षक नवेंद्र गुलेरिया की देखरेख में गत वर्ष मलबे की चपेट में आई एतिहासिक बावड़ी की मरम्मत की और वहां मलबे के नीचे दबी पड़ी पशुओं को पानी पिलाने की खुरली को भी बहाल किया। स्कूली बच्चों ने टांडू गांव में रैली निकाली और पॉलीथीन को एकत्र कर पंचायत के हवाले किया। बाद में प्रधानाचार्य कामिनी कपूर ने स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। एक्सिलेंसी पब्लिक स्कूल कुफरी में संपूर्ण पर्यावरण स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य पर बच्चों ने बाजार की सफाई की। नारों और स्लोगनों द्वारा जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत उप प्रधान ओम प्रकाश ठाकुर ने की। स्कूल प्रबंधक ओमकार,

- बच्चों ने कस्बों और गावों में रैलियां निकालकर लोगों को जागरूक किया

अध्यापक चूड़ामणी, संजय पराशर, संजय कुमार, मीनाक्षी, अनु, दिनेश बाला, सुष्मा ने स्वच्छता विषय पर अपने विचार रखे। मिडल स्कूल थर्की में स्वच्छता दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुफरी पंचायत प्रधान सुंफी देवी ने की। इस दौरान गांव में जागरूकता रैली निकाली गई। समारोह में एसएमसी प्रधान रमेश चंद, कार्यकारिणी सदस्यों, मुख्यध्यापक सुभाष शर्मा सहित पूरा स्टाफ कार्यक्रम में उपस्थित रहा। पद्दर, गवाली, द्रंग, साहल, धार, सरौंझ, कसौन, बाबली, जुद्दर, शिलग स्कूल में भी स्वच्छता दिवस धूमधाम से मनाया गया। स्कूली बच्चों ने रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता के बारे में जागरूक किया।

कुम्हारडा में स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

जोगेंद्रनगर : स्वच्छता जागरूकता अभियान के अंतर्गत वीरवार को बाल विकास परियोजना अधिकारी द्रंग के भराड़ू वृत्त की पर्यवेक्षक दया कुमारी ने कुम्हारडा गांव में शिविर का आयोजन किया। इसमें ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। भराड़ू पंचायत की प्रधान रीता देवी ने शिविर की अध्यक्षता की। उन्होंने क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के लिए ग्रामीणों का आह्वान किया ताकि पर्यावरण संरक्षण हो सके। उन्होंने स्वच्छता अभियान को जन आंदोलन बनाने की बात कही। इस अ र पर क्षेत्र के कई गण्यमान्य उपस्थित थे।

खुद्दर के बच्चों ने की मच्छयाल में सफाई

जोगेंद्रनगर : संपूर्ण स्वच्छता दिवस के अवसर पर हाई स्कूल खुद्दर के विद्यार्थियों द्वारा वीरवार को स्कूल प्रांगण से मछिंद्र नाथ मंदिर तक रैली निकाली और मंदिर परिसर की सफाई की। मुख्याध्यापक सुभाष ठाकुर ने इस अवसर पर बच्चों को सफाई की महत्ता बारे विस्तार से जानकारी दी।

कोटमोरस स्कूल के विद्यार्थियों ने की साफ-सफाई

मंडी : राजकीय उच्च माध्यमिक पाठशाला कोटमोरस में निर्मल भारत अभियान के अंतर्गत स्कूल स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता दिवस प्रधानाचार्य राजेंद्र ठाकुर की अध्यक्षता में मनाया गया। विद्यार्थियों ने स्कूल के आसपास के क्षेत्रों सहित अन्य जगह पर भी साफ-सफाई की तथा पर्यावरण जागरूकता के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस मौके पर अध्यापक पुनीत कश्यप, दीनानाथ, कुलदीप ठाकुर, कल्पना आदि उपस्थित थे।

बीडीसी अध्यक्ष ने लिया स्वच्छता का जायजा

संवाददाता, सुंदरनगर : निर्मल भारत अभियान के तहत विशेष स्वच्छता सप्ताह के दूसरे दिन माध्यमिक विद्यालय नौलखा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंचायत समिति सुंदरनगर की अध्यक्ष निशा देवी ने बताया कि पंचायत स्तर पर स्वच्छता समितियों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक ग्रामीण का कर्तव्य है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों व झुग्गी-झोपड़ियों में स्वच्छता का जायजा लिया।

महिलाओं को बताया स्वच्छता का महत्व

सुंदरनगर : आंगनबाड़ी केंद्र स्याणबाई में संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत वीरवार को जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गीता शर्मा ने महिलाओं को संपूर्ण स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषाहार स्वच्छता, जल से होने वाले रोगों आदि की जानकारी दी। महिलाओं को क्लोरीन की गोलियां भी वितरित की गईं।

रोहांडा स्कूल में मनाया गया स्वच्छता दिवस

सुंदरनगर : राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहांडा में वीरवार को स्वच्छता दिवस मनाया गया। इस दौरान पंचायत प्रधान बुद्धि देवी, वार्ड सदस्य बंती देवी व स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों ने स्कूल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।

(8)

आयोजित की गई।

दैनिक भास्कर 5/7/2013

स्वच्छता सप्ताह मंडी जिले के सभी स्कूलों में स्वच्छता सप्ताह के मौके पर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए किया जागरूक

भास्कर न्यूज | नेरचौक

स्वच्छता सप्ताह के आयोजन को लेकर सीनियर सेकंडरी स्कूल भंगरोटू के छात्रों ने जागरुकता रैली का आयोजन किया। एनएसएस, एनसीसी व इक्कों क्लब के बच्चों ने भी जागरुकता रैली में हिस्सा लिया। रैली का आयोजन प्रधानाचार्य नीलम वैद्य की अध्यक्षता में किया गया। स्कूल एसएमसी के अध्यक्ष परमेंद्र कटोच ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

जोगेंद्रनगरः सीनियर सेकंडरी स्कूल जोगेंद्रनगर की बाल व कन्या के छात्र-छात्राओं ने शहर में रैली निकाल लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता किया। स्कूली छात्रों ने लोगों से अपना घर गांव, पास पड़ोस साफ सुथरा रखने का आह्वान किया। गर्ल्स सीसे स्कूल के प्रधानाचार्य नागेंद्र ठाकुर व एनएसएस प्रभारी शांता ठाकुर ने बच्चों को स्वच्छता अभियान में अपनी भागीदारी निभाने का संदेश दिया।

सरकाघाटः सीनियर सेकंडरी स्कूल सरकाघाट के छात्रों ने सरकाघाट कस्बे में विशाल रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ राकेश तपवाल ने किया। छात्रों ने स्थानीय बाजार से भी कूड़ा कचरा एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया। सुंदरनगर, पधर, गोहर, पंडोह के विभिन्न स्कूलों में भी स्वच्छता रैलियों का आयोजन किया गया।'

नेरचौक में स्वच्छता जागरुकता रैली निकालते भंगरोटू स्कूल के छात्र व अध्यापक

मंडी : स्वच्छता रैली निकालते एनएसएस के छात्र

सुंदरनगरः उपमंडल के विभिन्न स्कूलों में स्वच्छता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा जहां रैली निकालकर लोगों को स्वच्छता को लेकर जागरूक किया गया वहीं कई स्कूलों में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। हाई स्कूल कपाही में इस अवसर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में दीपिका प्रथम, जितेंद्र द्वितीय तथा विजय कुमार तृतीय स्थान पर रहा।

नारा लेखन प्रतियोगिता में दिनेश प्रथम, मनीष कुमार द्वितीय तथा जितेंद्र तृतीय स्थान पर रहा। गर्ल्स स्कूल सुंदरनगर, हाई स्कूल घांघणू, मिडल स्कूल मंझखेतर में इस अवसर पर चित्रकला व नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। चित्रकला प्रतियोगिता में शिल्पा देवी प्रथम, पुष्पा देवी द्वितीय तथा प्रीति कुमारी तृतीय स्थान पर रही। जबकि नारा लेखन प्रतियोगिता में निकिता प्रथम, प्रियंका द्वितीय तथा निखिल तृतीय स्थान पर रहा। पटड़ीघाट के सीसे स्कूल धनेड़ में भी स्कूल के प्रधानाचार्य रामप्रकाश शर्मा की अध्यक्षता में स्वच्छता सप्ताह मनाया गया।

List of Office Bearers , EC & GB Member of MSJVS

S. N.	Name	Designation	Mobile
1	Sh. Devesh Kumar, IAS	Chairman / DC	98055-00005
2	Sh. Gopal Chand	Co- Chairman/ ADC	94180-65900
3	Sh. Hemant Raj	Senior Vice --Chairman	94181-00333
4	Sh. Kundan Singh	Vice Chairperson	94181-66912
5	Dr. Veena Vaidya	Vice Chairperson	94184-56803
6	Sh. Rajinder Mohan	General Secretary	94184-94222
7	Sh. Joginder Walia	Secretary	94180-23354
8	Sh. Lalit Sharma	Joint-cum Office Secretary	94181-64777
9	Sh. Tilak Ram	Joint Secretary	94181-64779
10	Dr. Vijay Vishal	Finance Secretary	94181-23571
11	Sh. Bhim Singh	Treasurer	94180-73190
12	Dr. Kamal Pyasa	Governing Council Member	98821-76248
13	Sh. Birbal Sharma	Governing Council Member	9418040040
14	Sh. Bhupender Singh	Governing Council Member	94180-35530
15	Sh. Desh Raj Sharma	Governing Council Member	94181-58281
16	Sh. Narpat Ram	Governing Council Member	94183-71321
17	Sh. Murari Sharma	Governing Council Member	94180-25190
18	Sh. N.R. Thakur	Governing Council Member	94184-83177
19	Sh. Paras Rsam	Governing Council Member	94184-85605
20	Sh. Sanjeev Thakur	Governing Council Member	94184-99553
21`	Sh. Sevak Ram	Governing Council Member	94181-64778
22	Sh. Naval Kishore	Governing Council Member	94186-53288
23	Sh. Shyam Singh Chauhan	General Body Member	98170-10786
24	Sh. Ved Prakash Sharma	General Body Member	94184-63750
25	Sh. Kuldeep Guleria	General Body Member	94181-44703
26	Sh. Bhagat Singh Guleria	General Body Member	94180-37815
27	Sh. Devinder Kumar	General Body Member	94182-77268
28	Sh. Kanshi Ram	General Body Member	94185-90074
29	Smt. Geeta Devi	General Body Member	94184-66514
30	Smt. Jaiwanti	General Body Member	94186-52243
31	Smt. Meera Sharma	General Body Member	94182-75772
32	Smt. Mohni Rana	General Body Member	94184-89248
33	Sh. Hitender Kapoor	General Body Member	94184-98167
34	Sh. Chandu Ram Premi	General Body Member	94180-69773
35	Sh. Khem Singh	General Body Member	94184-19729
36	Sh. Kesar Singh	General Body Member	98571-72772
37	Smt. Kamlesh Sharma	General Body Member	98160-15371

Organization Member of MSJVS

S. N.	Name	Designation	Mobile
1	Prof. Sunder Lohia	Founder Secretary	94182-61441/ 94189-77512
2	Smt. Krishna Tandon	Member	94183-00901
3	Smt. Padma Sharma	Member	94184-67048
4	Smt. Prem Kumari Thakur	Member	94182-00259